दैनिक चैतन्य लोक

Date: 29.01.2020

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस 'सनमन्त्रणा 2020'

विषय 'डिकोडिग इन्डस्ट्री 4.0 फॉर इन्क्लूसिव एन्ड सस्टैनबल ग्रोथ' का आयोजन 3 से 5 फरवरी को

चैतन्य लोक » इन्दौर

dainikchaitanyalok.com

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इन्दौर में इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस 'सनमन्त्रणा 2020' का आयोजन 03 से 05 फरवरी, 2020 को 'डिकोडिग इन्डस्ट्री 4.0 फॉर इन्क्लूसिव एन्ड सस्टैनबल ग्रोथ' विषय किया जाएगा। सैंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा, यूएसए के प्रेसिडेंट डॉ. रोबिन वेकर एवं ग्रैजुएट डायरेक्टर डॉ. बेन बलिगा अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में विशेष रुप से उपस्थित रहेंगे। विशेष अतिथि शिवसिंह मेहता, संस्थापक एवं प्रबंध निदेषक, कृति ग्रुप ऑफइंडस्ट्रीज होंगे।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन में विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, मानविकी और समाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोधपत्रों की प्रस्तुति के साथ ही विषय विषेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों मे सम-सामयिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। शोध संगोष्ठी के साथ ही साथ छात्रों में इण्डस्ट्री रेडी स्किल्स विकसित करने के उद्देष्य से विभिन्न क्षेत्रों में विषय विषेषज्ञों द्वारा हेण्ड्स-आन वर्कषाप आयोजित भी किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. योगेष जोषी, डायरेक्टर, जीएच पटेल पी.जी. ईंस्टिट्यूट ऑफ बिजनस मैनेजमेंट, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात, डॉ विनीत कुमार, क्रिएटिव राइटर एवं मीडिया क्रिटिक, नई दिल्ली, रेनी जॉन, बेंगलूरु, डॉ. ए.के. दुबे, एडिशनल सेंट्रल पीएफ कमिश्नर, जोनल ट्रेनिंग ईंस्टिट्यूट, उज्जैन, गौतम बोस, फॉर्मर साइंटिस्ट, नेषनल ईंस्टिट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोलकता, आर्किटेक्ट शिरीष सुखात्मे, मुंबई, डॉ. टी.जी. प्रसाद, यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस, बैंगलोर, डॉ. जॉयदीप घोष, प्रोफेसर, ईंस्टिट्यूट ऑफ प्लाज्मा रिसर्च, गांधीनगर एवं बी. बडोनिया, डायरेक्टर, सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरटरी, कोलकता होगें। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पुरुषोत्तम दास पसारी एवं कुलपति डॉ. उपिन्दर धर के मार्गदर्शन मे आयोजित किए जा रहे इस चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस 'सनमन्त्रणा 2020' के अध्यक्ष डॉ. राजीव शुक्ला ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य सूचना प्रोद्योगिकी क्रांति के प्रभाव से हो रहे वैश्विक बदलावों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए इंडस्ट्री 4.0 से जुड़े अवसरों तथा संधारणीय विकास के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया जाएगा, जिसके अंतर्गत 100 से अधिक शोधपत्रों एवं पोस्टर प्रेजन्टेषन प्रस्तुत किए जाएँगे। साथ ही छात्रों के कौषल विकास हेतु विभिन्न विषयों पर 19 वर्कषाप आयोजित किए जाएँगे। यह अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, शिक्षकों की शोध अभिरुचि को बढ़ाने के साथ ही साथ छात्रों में रचानात्मक अध्ययन प्रवृति विकसित करने एवं रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और समाज के बीच समन्वय स्थापित करने की दिशा में उपयोगी एवं महत्वपूर्ण पहल करेगा।

Dainik Bhaskar **Date: 04.02.2020**

स्टूडेंट्स को बहु-विषयक सिलेबस की ज़रूरत

वैष्णव विद्यापीठ में तीन दिनी मल्टी-डिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कांग्रेस सन्मंत्रणा में वक्ताओं ने यह बात कही

सिटी रिपोर्टर . इंदौर

सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा, यूएसए की प्रेसिडेंट रॉबिन वेकर का कहना है कि हमें इस बात को लेकर सतर्क रहना है कि हमारा डेटा और डेटा की शेयरिंग से वह हैक किया जा सकता है लिहाजा हमें डेटा की गोपनीयता को बनाए रखने के लिए सावधानी बरतना होगी। इसके अलावा अब विश्वविद्यालयों को पर्यावरण स्थिरता पर काम करने की जरूरत है जबकि विशिष्ट अतिथि डॉ. बेन बलीगा ने कहा कि इस समय में बहु-अनुशासनात्मक सत्रों की अधिक आवश्यकता है। हमें छात्रों को विशेष पाठ्यक्रम करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। आजकल पाठ्यक्रम एक गुलदस्ते की तरह होना चाहिए जहां छात्र अपने क्षेत्र के अनुसार अपने बहु-विषयक विषयों को चुन सकें। कंपनियां आगामी उद्योग के लिए बहु-विषयक ज्ञान की भी तलाश कर रही हैं। हमें समय के सम्मान के साथ छात्रों का स्तर उठाने की जरूरत है। छात्रों को टेक्नोलॉजी के साथ साथ खुद को अपडेट करना होगा। यह बात इन दोनों वक्ताओं ने श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय की तीन दिवसीय मल्टी-डिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कांग्रेस सन्मंत्रणा में कही। विषय 'डिकोडिंग इंडस्ट्री 4.0 फॉर इनक्लुसिव एंड सस्टेनेबल ग्रोथ' था।

संचार क्रांति ने हमारे व्यवहार को पूरी तरह बदल दिया है

चेयरपर्सन डॉ. राजीव शुक्ला ने कहा कि इस समारोह का उद्देश्य उद्योग और एकेडेमिक के प्रतिनिधियों के बीच जीवंत अंतर-अनुशासनात्मक चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने कहा कि उद्योग 4.0 एक अंतर्संबंधित दुनिया का हिस्सा है, जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों को चौथी क्रांति द्वारा बदल दिया गया है। भविष्य में राष्ट्र इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीनिंग लर्निंग और रोबोटिक्स के साथ काम करेगा। वैष्णव ट्रस्ट के पुरुषोत्तमदास पसारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य बहु-विषयक पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है जिससे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के कई अवसर मिलेंगे। कीर्ति ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के संस्थापक और प्रबंध निदेशक शिव सिंह मेहता ने कहा कि संचार ने हमारे जीने और व्यवहार के तरीके को बदल दिया है। यह सन्मंत्रणा, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के विशाल स्पेक्ट्रम को कवर कर रहा है। कमल नारायण भुराड़िया ने धन्यवाद दिया। समारोह के मास्टर ऑफ सेरेमनी डॉ. नम्रता जैन थी। उद्घाटन के बाद दो सत्रों में योगेश सी जोशी, डॉ. विनीत कुमार, रेनी जॉन, डॉ. टीके मांडल और डॉ. आनंद राजत थे। तकनीकी सत्र में डॉ. अजीत उपाध्याय और डॉ. रिशु रॉय अध्यक्ष थे।

Patrika **Date: 04.02.2020**

तकनीक मानव स्पर्श का स्थान नहीं ले सकती

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ घर के तापमान को समायोजित करने, समय पर दवाइयां लेने की याद दिलाने के साथ ही कई चीजों के लिए इंटरनेट वयस्कों की मदद कर रहा है। यह अच्छी बात है, इस तरह तकनीक लोगों की मदद कर सकती है, लेकिन तकनीक कभी भी मानव स्पर्श का स्थान नहीं ले सकेगी। इसीलिए इस तकनीकी युग में भावनाओं के महत्व को समझना भी बेहद जरूरी है। यह बात सोमवार को सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा, यूएसए के डॉ. रॉबिन वेकर ने वैष्णव विद्यापीठ में शुरू हुए तीन दिनी इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च कांग्रेस 'सन्मंत्रणा' में कही। सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा यूएसए द्वारा प्रायोजित इस कांग्रेस का विषय 'डिकोडिंग इंडस्ट्री 4.0 फॉर इनक्लूसिव एंड सस्टेनेबल ग्रोथ' है।

डॉ. वेकर ने कहा, वर्तमान समय में गोपनीयता पर काम करना सबसे बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि हमारा डाटा और हमारी दिन-प्रतिदिन की गतिविधि है। हमें इस डाटा में गोपनीयता पर काम करना सबसे बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि हमारा डाटा और हमारी दिन-प्रतिदिन की गतिविधि है। हमें इस डाटा साझाकरण गतिविधियों और हैकिंग के बारे में पता होना चाहिए। इसके अलावा पर्यावरण हम सबके सामने एक गंभीर मुद्दा है। अब विश्वविद्यालयों को पर्यावरण स्थिरता पर काम करने पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

उद्घाटन समारोह में सन्मंत्रणा के चेयरपर्सन डॉ. राजीव शुक्ला ने कांग्रेस का परिचय दिया। उन्होंने बताया, इस आयोजन का उद्देश्य

उद्घाटन समारोह में सन्मंत्रणा के चेयरपर्सन डॉ. राजीव शुक्ला ने कांग्रेस का परिचय दिया। उन्होंने बताया, इस आयोजन का उद्देश्य उद्योग और एकेडमिक के प्रतिनिधियों के बीच जीवंत अंतर-अनुशासनात्मक चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है। गेस्ट ऑफ ऑनर कीर्ति ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के संस्थापक एवं प्रबंधक शिव सिंह मेहता ने कहा, उद्योग 4.0 क्रांति दुनिया की सामाजिक, आर्थिक वास्तविकता है। संचार हमारे जीने और व्यवहार के तरीके को बदल सकता है। यह कांग्रेस विज्ञान, दुनिया की सामाजिक, आर्थिक वास्तविकता है। संचार हमारे जीने और व्यवहार के तरीके को बदल सकता है। यह कांग्रेस विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के विशाल स्पेक्ट्रम को कवर कर रहा है। उन्होंने ओपन माइंड, ओपन हार्ट, ओपन विल के बारे में बताया जिसके द्वारा हम टीम वर्क में मदद कर सकते हैं।

वैष्णव विद्यापीठ के कुलपति उपिंदर धर ने कहा, उद्योग 1.0 स्टीम बिजली क्रांति का था, उद्योग 2.0 विद्युत शक्ति क्रांति का था, 3.0 कम्प्यूटिंग बिजली क्रांति थी और अब हम उद्योग 4.0 सूचना और संचार बिजली क्रांति का था, उद्योग 2.0 विद्युत शक्ति क्रांति का था, 3.0 कम्प्यूटिंग बिजली क्रांति थी और अब हम उद्योग 4.0 सूचना और संचार शिक्षण विज्ञान देख रहे हैं। भविष्य में राष्ट्र इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स के साथ काम करेगा।

विवि के कुलाधिपति पुरुषोत्तम दास पसारी ने कहा, हमारा उद्देश्य बहु-विषयक पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है, जिससे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के कई अवसर मिलेंगे। कमल नारायण भूरड़िया ने आभार माना। समारोह का समापन अमरीका और भारत के राष्ट्रगान द्वारा किया गया। समारोह की मास्टर ऑफ सेरेमनी डॉ. नम्रता जैन थी।

मल्टी डिसिप्लिनरी पाठ्यक्रम का महत्व

विशिष्ट अतिथि डॉ. बैन बलीगा ने क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा का परिचय दिया। उन्होंने कहा, वर्तमान में मल्टी डिसिप्लिनरी पाठ्यक्रम की अधिक आवश्यकता है। यह वह समय है जहां हम छात्रों को विशेष पाठ्यक्रम करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते हैं। आजकल यह एक गुलदस्ते की तरह है, जहां छात्र अपने क्षेत्र के अनुसार अपने विषयों को चुनना चाहते हैं। कंपनियां आगामी उद्योग के लिए बहु-विषयक ज्ञान की भी तलाश कर रही हैं। हमें समय के साथ छात्रों को अपडेट करने की जरूरत है। आप प्रौद्योगिकी को नापसंद नहीं कर सकते, हमें खुद को इसके साथ कनेक्ट करना होगा।

दैनिक चैतन्य लोक

Date: 04.02.2020

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय का

तीन दिवसीय मल्टी-डिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कांग्रेस संमत्रना 2020 का उद्घाटन

चैतन्य लोक » इन्दौर

dainikchaitanyalok.com

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर तीन दिवसीय मल्टी-डिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कांग्रेस संमत्रना 2020 का उद्घाटन 3 फरवरी को किया गया जिसका विषय 'डिकोडिंग इंडस्ट्री 4.0 फॉर इनक्लूसिव एंड सस्टेकिया नेबल ग्रोथ' था। कांग्रेस को सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा यूएसए द्वारा प्रायोजित किया गया था। विशेष अतिथि श्री शिव सिंह मेहता, संस्थापक और प्रबंध निदेशक कीर्ति ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, इंदौर और डॉ. रॉबीएन वाकर, अध्यक्ष, सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा, यूएसए थे और विशिष्ट अतिथि डॉ. बेन बलीगा, प्रोफेसर और ग्रेजुएट निदेशक सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा, यूएसए थे।

उद्घाटन समारोह में डॉ. राजीव शुक्ला, चेयर पर्सन ने संमत्रना 2020 मल्टी डिसिप्लिनरी कांग्रेस का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि यह बहु-विषयक अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस 'समावेशी और टिकाऊ विकास के लिए उद्योग 4.0 की डिकोडिंग' पर है, जिसका उद्देश्य उद्योग और एकेडे के प्रतिनिधियों के बीच जीवंत अंतर-अनुशासनात्मक चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है, यह उद्योग के अवसरों की प्रासंगिकता 4.0 है। और उद्योग के लिए ड्राइवरों के रूप में चुनौतियां 4. समावेशी और सतत विकास के संदर्भ में कार्यान्वयन। अपने स्वागत संबोधन में, डॉ। उपिंदर धर, कुलपति, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने कहा कि उद्योग 4.0 एक अंतर्संबंधित दुनिया का हिस्सा है, जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों 4थी क्रांति द्वारा बदल दिया गया है। उन्होंने कहा कि उद्योग 1.0 स्टीम बिजली क्रांति था, तब उद्योग 2.0 विद्युत शक्ति क्रांति था, 3.0 कम्प्यूटिंग बिजली क्रांति थी और अब हम उद्योग 4.0 सूचना और संचार शिक्षण विज्ञान देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में राष्ट्र इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीनिन लर्निंग और रोबोटिक्स और के साथ काम करेगा

स्वायत्त प्रणाली और डेटाबैंक, सेवाएं, विश्लेषिकी। इस तकनीक और डिजिटलाइजेशन की मदद से आसान डेटा साझाकरण और संचालन होगा। उद्घाटन समारोह में पुरुषोत्तम दास पसारी ने वैष्णव ट्रस्ट और विश्वविद्यालय की यात्रा का परिचय दिया और उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य बहु-विषयक पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है जिससे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के कई अवसर मिलेंगे। इस प्रकार के कांग्रेस के साथ हम अपने राष्ट्र और समाज को विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ.बैन बलीगा ने अपने ज्ञानवर्धक शब्दों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मेनेसोता का परिचय दिया । उन्होंने कहा कि इस समय में बहु-अनुशासनात्मक सत्रों की अधिक आवश्यकता है। यह वह समय है जहां हम छात्रों को विशेष पाठ्यक्रम करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते हैं, आजकल यह एक गुलदस्ते की तरह है जहां छात्र अपने क्षेत्र के अनुसार अपने बहु-विषयक विषयों को चुनना चाहते हैं। कंपनियां आगामी उद्योग के लिए बहु-विषयक ज्ञान की भी तलाश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें समय के सम्मान के साथ छात्रों को उठाने की जरूरत है। आप प्रौद्योगिकी को नापसंद नहीं कर सकते, हमें इसके साथ खुद को अपडेट करना होगा। गेस्ट ऑफ ऑनर शिव सिंह मेहता, संस्थापक और प्रबंध निदेशक कीर्ति ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, इंदौर ने कहा कि उद्योग 4.0 क्रांति दुनिया की सामाजिक आर्थिक वास्तविकता है। उन्होंने कहा कि संचार हमारे जीने और व्यवहार के तरीके को बदल सकता है। उन्होंने कहा कि संमत्रना 2020 विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के विशाल स्पेक्ट्रम को कवर कर रहा है। उन्होंने तीन तत्वों ओपन माइंड, ओपन हार्ट, ओपन विल के बारे में बताया जिसके द्वारा हम टीम वर्क और में मदद कर सकते हैं। डॉ. रॉबिन वेकर, गेस्ट ऑफ ऑनर, सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा, यूएसए के अतिथि ने इंटरनेट चीजों के सामाजिक और शैक्षणिक भविष्य पर बात की। उन्होंने कहा कि घर के तापमान को समायोजित करने, समय पर उनकी दवा लेने और कई और चीजों के लिए इंटरनेट चीजें कई वयस्कों की मदद कर रही हैं। इस तरह तकनीक लोगों का समर्थन कर सकती है लेकिन यह मानव स्पर्श की जगह कभी नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि अब बड़ी चिंता गोपनीयता पर काम करना है क्योंकि हमारा डेटा और हमारी दिन-प्रतिदिन की गतिविधि है और हमें इस डेटा साझाकरण गतिविधियों और हैकिंग के बारे में पता होना चाहिए। उन्होंने अपने भाषण में यह भी कहा कि अब विश्वविद्यालयों को पर्यावरण स्थिरता पर काम करना है। उद्घाटन समारोह के अंत में कमल नारायण भूरड़िया ने धन्यवाद के शब्द प्रस्तावित किए और समारोह का समापन संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के राष्ट्रगान द्वारा किया गया। समारोह के मास्टर ऑफ सेरेमनी डॉ. नम्रता जैन थी। उद्घाटन समारोह के बाद दो पूर्ण सत्र हुए। पहले पूर्ण सत्र में वक्ताओं में डॉ. योगेश सी जोशी, निदेशक जीएच पटेल पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर गुजरात थे। डॉ. विनीत कुमार, क्रिएटिव राइटर और मीडिया क्रिटिक, न्यू देहली, मिस्टर रेनी जॉन, प्रैक्टिस लीडर-डिजिटल बिजनेस एंड टेक्नोलॉजी स्ट्रैटेजी, आईबीएम आईएक्स, बेंगलुरु और चेयर पर्सन डॉ. टीके मांडल और डॉ. आनंद रावत थे और तकनीकी सत्र आयोजित किया गया जिसमें डॉ. अजीत उपाध्याय और डॉ. रिशु रॉय अध्यक्ष थे।

Patrika Date: 03.02.2020

EVENT TODAY...

इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च पर अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस 'सन्मंत्रणा'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर में इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस 'सन्मंत्रणा 2020' का आयोजन 03 से 05 फरवरी को 'डिकोडिंग इंडस्ट्री 4.0 फॉर इन्क्लूसिव एंड सस्टेनेबल ग्रोथ' विषय पर किया जाएगा। सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी, मिनेसोटा, यूएसए के प्रेसीडेंट डॉ. रोबिन वेकर एवं ग्रेजुएट डायरेक्टर डॉ. बेन बलिगा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। आयोजन के अध्यक्ष डॉ. राजीव शुक्ला ने बताया, इस सम्मेलन में 100 से अधिक शोधपत्र एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही छात्रों के कौशल विकास हेतु विभिन्न विषयों पर 19 वर्कशॉप होंगी।

यह अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस, शिक्षकों की शोध अभिरुचि को बढ़ाने के साथ ही साथ छात्रों में रचानात्मक अध्ययन प्रवृति विकसित करने एवं रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और समाज के बीच समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करेगा।